El – प्रत्येक राज्य अपने आप में विभाजित होकर नष्ट हो जाएगा
मत्ती १२:२५-२९ और मरकुस ३:२३-२७ | 1

– Save This Page as a PDF–

प्रत्येक राज्य अपने आप में विभाजित होकर नष्ट हो जाएगा

मत्ती १२:२५-२९ और मरकुस ३:२३-२७

खोदाई: हमारे प्रभु और फरीसियों और टोरा-शिक्षकों के बीच इस आदान-प्रदान का कारण क्या था? तब यीशु ने उनके आरोपों के उत्तर में कौन से चार बचाव दिये? आज उसके पास कौन से चार बचाव हैं? यीशु ने यह क्यों बताया कि फरीसियों के अनुयायी क्या कर रहे थे? वह समस्या क्यों थी? मसीह के दृष्टांत में शक्तिशाली व्यक्ति कौन है? चोर? अंततः शैतान को वह कब मिलेगा जो उसके पास आ रहा है?

चिंतन: हमें परमेश्वर के राज्य में कब अपनाया जाता है? येशुआ स्वयं को शैतान से अधिक शक्तिशाली कैसे मानता है? आप क्या सोचते हैं कि परमेश्वर के पुत्र को पापी, अभिमानी फरीसियों और टोरा-शिक्षकों के दावों के विरुद्ध अपना बचाव करना कैसा लगा? आप क्या सोचते हैं कि आज के नास्तिक पापियों द्वारा उसके नाम की निंदा किए जाने पर वह कैसा महसूस करता है? क्या आप आज शैतानी हमलों के विरुद्ध उसके नाम की रक्षा करने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं?

सुसमाचार धीरे-धीरे इस बारे में अधिक से अधिक खुलासा करते हैं कि येशुआ कौन था और वह कौन नहीं था। एक अंधे गूंगे को ठीक करने के अपने दूसरे मसीहाई चमत्कार के बाद, यीशु को महासभा द्वारा मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया गया था (Lg – महान महासभा देखें) जिन्होंने दावा किया था कि वह बील्ज़ेबब के वश में था! उन्होंने दावा किया: राक्षसों के राजकुमार द्वारा वह राक्षसों को बाहर निकाल रहा है (देखें Ek – यह केवल राक्षसों के राजकुमार बील्ज़ेबब द्वारा ही है कि यह साथी राक्षसों को बाहर निकालता है)। यद्यपि फरीसी और टोरा-शिक्षक जो यरूशलेम से आए थे, प्रभु की सुनने से परे भीड़ से बात कर रहे थे, वह उनके विचारों को जानता था। इसलिये यीशु ने उन्हें अपने पास बुलाया और उनसे बातें करने लगा (मरकुस ३:२२ए-२३)। उनकी स्थिति से भयभीत न होकर, यीशु ने चार विशिष्ट तरीकों से उनके शैतानी हमलों से अपना बचाव किया:

सबसे पहले, आरोप सच नहीं हो सकता क्योंकि इसका मतलब शैतान के राज्य में विभाजन होगा। येशुआ ऐसे गंभीर आरोपों को अनुत्तरित नहीं जाने दे सकता था। सर्वज्ञ होने के कारण, वह उनके विचारों को जानता था और दृष्टान्तों में उनसे बात करने लगा: प्रत्येक राज्य अपने आप में विभाजित हो जाएगा, वह नष्ट हो जाएगा, और हर शहर या घराना जो अपने आप में विभाजित है, खड़ा नहीं रहेगा। यदि शैतान स्वयं का विरोध

El – प्रत्येक राज्य अपने आप में विभाजित होकर नष्ट हो जाएगा
मत्ती १२:२५-२९ और मरकुस ३:२३-२७ | 2

करता है, तो वह अपने ही विरुद्ध विभाजित हो जाता है। तो फिर उसका राज्य कैसे कायम रह सकता है? उसने स्वयं को नष्ट कर दिया होगा और उसका अंत आ गया होगा (मत्ती १२:२५-२६; मरकुस ३:२३-२६)। विरोधी स्वयं और अन्य राक्षसों को बाहर निकालकर चमत्कार क्यों करना चाहेगा? इसका कोई मतलब नहीं होगा. हालाँकि यह सच है कि बुराई स्वभाव से विनाशकारी है, यह भी सच है कि यद्यपि शैतान के राज्य में कोई सद्भाव, विश्वास या वफादारी नहीं है, वह निश्चित रूप से कोई अवज्ञा या विभाजन बर्दाश्त नहीं करता है। परिणामस्वरूप, शैतान को अपने विरुद्ध विभाजित नहीं किया जा सकता। ईर्ष्या और आत्मतुष्टि के कारण, फरीसी स्पष्ट चीज़ों के प्रति अंधे हो गए थे। दुष्टात्माओं को बाहर निकालकर और लोगों को चंगा करके, यीशु शत्रु के राज्य को नष्ट कर रहा था, न कि उसका निर्माण कर रहा था।

दूसरे, वे स्वयं लंबे समय से यह मानते थे कि
भूत-प्रेत भगाने की क्रिया ईश्वर की ओर से एक उपहार है। मसीहा ने दिखाया कि फरीसियों का आरोप भी पूर्वाग्रह से ग्रसित था, जिससे उनके ठंडे, काले दिलों के भ्रष्ट, दुष्ट पूर्वाग्रह का पता चला। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि अन्य रब्बियों ने भी राक्षसों को बाहर निकाला था। इसलिए यीशु उन धार्मिक नेताओं से पूछते हैं जो उन पर दुष्टात्माओं को रखने का आरोप लगाते हैं: अब यदि मैं शैतान की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो तुम्हारे पुत्र उन्हें किसकी सहायता से निकालते हैं? बेटे शब्द का प्रयोग अक्सर तानाख में शिष्यों या अनुयायियों के लिए वर्णन के रूप में किया जाता है, जैसा कि दूसरे राजा २:३ में भविष्यवक्ता के बेटों के रूप में किया गया है। फरीसियों के कुछ अनुयायियों या पुत्रों ने राक्षसों को बाहर निकाला था, और यहूदी इतिहासकार जोसेफस हमें बताते हैं कि उन्होंने अपने अनुष्ठानों में कई अजीब, विदेशी मंत्रों और सांस्कृतिक सूत्रों का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कभी यह दावा नहीं किया होगा कि वे गतिविधियाँ अधर्मी थीं, शैतानी तो बिल्कुल नहीं। अपने विरोधियों को धर्मशास्त्रीय हॉट सीट पर बिठाने के लिए, यीशु ने सुझाव दिया कि फरीसियों को उनके ओझा अनुयायियों को उनका न्यायाधीश बनने देना चाहिए। उसने कहा: तो फिर, वे तुम्हारे न्यायाधीश होंगे (मत्ती १२:२७; लूका ११:१८-१९)। निहित सुझाव यह था कि वे उन अनुयायियों से पूछें जिनकी शक्ति से उन्होंने बुरी आत्माओं को बाहर निकाला था। यदि उन्होंने कहा, “शैतान की शक्ति से,” तो वे स्वयं और उन फरीसियों की निंदा करेंगे जिन्होंने उनका समर्थन किया था। लेकिन अगर उन्होंने कहा,

El – प्रत्येक राज्य अपने आप में विभाजित होकर नष्ट हो जाएगा
मत्ती १२:२५-२९ और मरकुस ३:२३-२७ | 3

“परमेश्वर की शक्ति से,” तो वे येशुआ के खिलाफ फरीसियों के आरोप को कमजोर कर देंगे। एक बार फिर प्रभु ने उन्हें मात दे दी। ओह, उन्हें इससे कितनी नफरत थी!

तीसरा, अंधे गूंगे की चंगाई ने इस दावे को प्रमाणित किया कि यीशु मेशियाक था। केवल इज़राइल का सच्चा ईश्वर ही अपने राज्य को इतने सकारात्मक तरीके से बनाना चाहेगा। परन्तु यदि मैं परमेश्वर की आत्मा से दुष्टात्माओं को निकालता हूं, तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे पास आ पहुंचा है, वा तुम्हारे बीच में है (मत्ती १२:२८)। यदि यीशु ने अपना कार्य परमेश्वर की आत्मा के द्वारा किया, तो उसके चमत्कार परमेश्वर के थे और उसे मसीहा, दाऊद का पुत्र होना था, जैसा कि सभी लोगों ने कहा कि वह था (मत्ती १२:२३)। एक अर्थ में, येशुआ अपने मसीहा साम्राज्य और उसके बाद शाश्वत राज्य तक पृथ्वी पर शासन नहीं करेगा (रहस्योद्घाटन एफ्फजी – शाश्वत राज्य पर मेरी टिप्पणी देखें)। लेकिन अपने व्यापक अर्थ में, मसीह का राज्य किसी भी स्थान या व्यवस्था में उसके शासन का क्षेत्र है। वह चाहे कहीं भी हो, राजा है, और जो उससे प्रेम करते हैं, वे उसकी प्रजा हैं; इसलिए, उनकी सांसारिक सेवकाई के दौरान उनका राज्य हमेशा उनके साथ था। रब्बी शाऊल कहते हैं, क्योंकि परमेश्वर ने हमें अंधेरे के क्षेत्र से बचाया है, और हमें अपने प्रिय पुत्र के राज्य में स्थानांतरित कर दिया है (कुलुस्सियों १:१३ सीजेबी)। सभी विश्वासियों को उसके राज्य में उसी क्षण अपनाया जाता है जब वे राजा को अपने परमेश्वर और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करते हैं (Bw देखें – विश्वास के क्षण में परमेश्वर हमारे लिए क्या करते हैं)।

चौथा, यीशु दर्शाता है कि वह शैतान से अधिक शक्तिशाली है। वह प्रतिद्वंद्वी के क्षेत्र पर आक्रमण कर रहा है। शैतान की संपत्ति, या खोई हुई आत्माओं को उससे दूर ले जाने में परमेश्वर का राज्य टूट रहा है। येशुआ लोगों को शैतान की शक्ति से मुक्त कर रहा है। फरीसी आध्यात्मिक रूप से अंधे थे, क्योंकि वे यह नहीं देख सकते थे कि प्रभु ने जो कुछ भी कहा और किया वह शैतान के विरोध में था? यीशु ने एक चोर की छवि का इस्तेमाल किया जिसने एक ताकतवर आदमी के घर में रहते हुए उसे लूटने की योजना बनाई थी। चोर जानता है कि जब तक वह पहले ताकतवर आदमी को नहीं पकड़ लेता, उसके सफल होने की कोई संभावना नहीं है और वास्तव में, इस प्रक्रिया में गिरफ्तार होने या गंभीर रूप से पीटे जाने का जोखिम है।या फिर, कोई कैसे किसी ताकतवर आदमी के घर में घुसकर उसकी संपत्ति लूट सकता है जब तक कि वह पहले उस ताकतवर आदमी को बांध न दे? तब वह उसके घर को लूट सकता है (मत्ती १२:२९; मरकुस ३:२७)। इसलिए, बील्ज़ेबब से अधिक शक्तिशाली कोई व्यक्ति होना चाहिए जो हमें ऐसे राक्षसी उत्पीड़न से बचाने में सक्षम हो। शत्रु को मौत का झटका क्रूस पर दिया गया था और यह भविष्य में पूरी तरह से महसूस किया जाएगा, लेकिन उस अंतिम जीत से पहले मसीहा बार-बार अपने वांछित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अपनी असीमित और अप्रतिबंधित शक्ति का प्रदर्शन करता है।

पहली सदी के इज़राइल में एक गतिशील गवाही होने के अलावा, यह स्थिति हमारे समय के

El – प्रत्येक राज्य अपने आप में विभाजित होकर नष्ट हो जाएगा
मत्ती १२:२५-२९ और मरकुस ३:२३-२७ | 4

सभी विश्वासियों के लिए एक सुखद अनुस्मारक है। जबकि शैतान अभी भी गर्जने वाले शेर की तरह इस ताक में रहता है कि किसी को फाड़ खाए (पहला पतरस ५:८), हमें ईश्वरीय सुरक्षा का वादा किया गया है क्योंकि हम परमेश्वर के कवच पर बने रहते हैं (इफिसियों ६:१०-१८)। यद्यपि हमारे पास एक वादा की गई जीत है, हमें यह समझने के लिए भी बुद्धिमान होना चाहिए कि आध्यात्मिक लड़ाई तब तक चलेगी जब तक कि शैतान को अंततः जलती हुई गंधक की झील में नहीं फेंक दिया जाएगा, जहां जानवर और झूठे भविष्यवक्ता को फेंक दिया जाएगा। उन्हें हमेशा-हमेशा के लिए दिन-रात पीड़ा दी जाएगी (प्रकाशित्बचन Fm पर मेरी टिप्पणी देखें – शैतान अपनी जेल से रिहा हो जाएगा और राष्ट्रों को धोखा देगा)।

आज अच्छा चरवाहा को शैतानी हमलों से कैसे बचाया जाता है? एक बार फिर, चार विशिष्ट तरीके हैं:

पहला, आत्मा गवाही देता है कि यीशु ही मसीह है। यीशु ने संसार में आत्मा के कार्य के वादे से अपने प्रेरितों को प्रोत्साहित किया। जैसा कि येशु का कार्य पिता को बढ़ावा देना था, न कि स्वयं को, इसलिए रुआच यीशु को मसीहा के रूप में गवाही देगा: सत्य की आत्मा जो पिता से निकलती है – वह मेरे बारे में गवाही देगा, और मैं जानता हूं कि मेरे बारे में उसकी गवाही है सत्य है (यूहन्ना ५:३२ और १४:२६बी)।

दूसरे, सार्वभौमिक चर्च गवाही देता है कि येशुआ मेशियाच है। आत्मा पिता की ओर से भेजा गया है (यूहन्ना १४:२६ए), ठीक वैसे ही जैसे पुत्र पिता की ओर से भेजा गया था। फिर भी रुआच का यह रहस्यमय कार्य चर्च से अलग होकर नहीं किया गया है। तल्मिडिम को उन तथ्यों की गवाही देनी थी जो उन्हें पता चले: और तुम्हें भी गवाही देनी होगी (योचनान १५:२६बी)। जैसे ही बारहों ने गवाही दी, पवित्र आत्मा ने दोषी ठहराया, और लोगों को बचाया गया। दैवीय आदेश के प्रति मानवीय आज्ञाकारिता का समान संयोजन (प्रेरितों १:८) और रुआच हाकोडेश की गवाही की हर पीढ़ी में आवश्यकता होती है।

तीसरा, परमेश्वर का वचन गवाही देता है कि प्रभु अपेक्षित है। आरंभ में वचन था, और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में अपना निवास स्थान बनाया। और वचन परमेश्वर के पास था, और हम ने उसकी महिमा, अर्थात् एकलौते पुत्र की महिमा देखी है। और वचन परमेश्वर था, जो अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर पिता से आया था (योचनान १:१ और १४)।

चौथा, और उनके राजदूतों के रूप में, हमें यह गवाही देने की ज़रूरत है कि वह अभिषिक्त व्यक्ति हैं। इसलिए हम मसीह के राजदूत हैं, मानो परमेश्वर हमारे माध्यम से अपनी अपील कर रहे हों (दूसरा कुरिन्थियों ५:२०ए)। हमारे समय की तरह, प्राचीन काल में राजदूत होना एक महत्वपूर्ण और उच्च माना जाने वाला कर्तव्य था। एक राजदूत उस व्यक्ति का दूत और प्रतिनिधि दोनों होता है जिसने उसे भेजा है, और विश्वासी स्वर्ग के दरबार के दूत और प्रतिनिधि होते हैं। यद्यपि हमारी

El – प्रत्येक राज्य अपने आप में विभाजित होकर नष्ट हो जाएगा
मत्ती १२:२५-२९ और मरकुस ३:२३-२७ | 5

नागरिकता स्वर्ग में है (फिलिप्पियों ३:२०), हम गवाही देते हैं कि पापियों का उद्धारकर्ता मसीहा है, जहाँ हम परदेशी और अजनबी के रूप में रहते हैं (प्रथम पतरस २:११)। उनके प्रतिनिधियों के रूप में, हमें पूर्ण होने की ज़रूरत नहीं है (कभी- कभी हमारा प्रभामंडल फिसल जाता है), लेकिन हमें गवाही देने की अपनी ज़िम्मेदारी के बारे में जागरूक होने की ज़रूरत है कि यदि आप अपने मुँह से घोषणा करते हैं, “यीशु ही प्रभु हैं,” और अपने दिल में विश्वास करते हैं कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तुम उद्धार पाओगे” (रोमियों १०:९)।

प्रभु यीशु, अपने क्रूस के द्वारा, आपने हमारे लिए स्वतंत्रता जानने का मार्ग खोला। हमें शैतान पर अपनी जीत पर भरोसा करना सिखाएं। हमें आप पर विश्वास के साथ जीने के लिए सशक्त बनाएं, आपकी जीत की प्रतीक्षा करें।